Roll No. : .....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **4**

AFMA–236

M.A. (Final) Examination, 2023

PHILOSOPHY

Paper – VI, VII, VIII (iv)

(Vedanta Darshan)

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **100***

Section–A **(Marks : 2 × 10 = 20)**

Note :– Answer all *ten* questions (Answer limit **50** words). Each question carries **2** marks.

(खण्ड–अ) **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

Section–B **(Marks : 8 × 5 = 40)**

Note :– Answer any *five* questions out of seven (Answer limit **200** words). Each question carries **8** marks.

(खण्ड–ब) **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

Section–C **(Marks : 20 × 2 = 40)**

Note :– Answer any *two* questions out of four (Answer limit **500** words). Each question carries **20** marks.

(खण्ड–स) **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है।

Section–A

(खण्ड–अ)

1. (i) Brahman-Ramanuja

ब्रह्म–रामानुज

(ii) Vivart

विवर्त

(iii) Satkaryavada

सत्कार्यवाद

(iv) Jivan-Mukti

जीवन–मुक्ति

(v) Prapatti

प्रपत्ति

(vi) Moksha

मोक्ष

(vii) Maya-Madhvacharya

माया–मध्वाचार्य

(viii) Pushtimarg

पुष्टिमार्ग

(ix) Vedanta Philosophy

वेदान्त दर्शन

(x) Nirguna Brahman

निर्गुण ब्रह्म

Section–B

(खण्ड–ब)

2. Is world absolutely unreal according to Shankar ? Discuss.

   क्या शंकर के अनुसार जगत् नितान्त रूप से असत् है ? विवेचन कीजिए।

3. Explain Ramanuja's theory of Error.

   रामानुज के भ्रम सिद्धान्त को स्पष्ट कीजिए।

4. Explain the nature of Atman according to Madhva.

   मध्व के अनुसार आत्मा के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

5. Explain Jagat according to Nimbarka.

   निम्बार्क के अनुसार जगत् को स्पष्ट कीजिए।

6. Explain Vallabh's views about the nature of Brahman.

   वल्लभ के विचार में ब्रह्म के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

7. Distinguish between Jiva and Self (Atman) According to Shankar.

   शंकर के अनुसार जीव और आत्मा के भेद का निरूपण कीजिए।

8. Explain the difference between Dvaitadvaita and Advaita.

   द्वैताद्वैत एवं अद्वैत में अंतर स्पष्ट कीजिए।

Section–C

(खण्ड–स)

9. "Jivan mukti is an outcome of Brahama Jnana". Explain with reference to Shankara Vedanta.

   "जीवन मुक्ति ब्रह्म ज्ञान का परिणाम है।" शंकर वेदान्त के संदर्भ में इसकी व्याख्या कीजिए।

10. Explain Vallabh's views about the Nature and different Kinds of Jiva's as well as about the nature of their bondage and liberation.

    जीव के स्वरूप एवं उनके विभिन्न प्रकारों के बारे में तथा उनके बंधन एवं मोक्ष के बारे में वल्लभ के विचारों को समझाइए।

11. Explain the concept of Moksha according to Ramanuja.

रामानुज के अनुसार मोक्ष की अवधारणा की व्याख्या कीजिए।

12. Discuss Madhva's views on the Nature of Liberation and the importance of Ishwar's (Brahman) grace in this regard.

मुक्ति के स्वरूप और इस संबंध में ईश्वरीय अनुकम्पा के महत्व के बारे में मध्व के विचारों का विवेचन कीजिए।